भा.कृ.अनु.प.-केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान
I.C.A.R.-CENTRAL INSTITUTE FOR ARID HORTICULTURE
बीछवाल, बीकानेर (राजस्थान) - 334006
(दूरभाष नं.0151-2253123/2250960)

आंवला फलों की नीलामी सूचना

सचिव, भाकृअनुप, नई दिल्ली की ओर से, निदेशक, भाकृअनुप-केशुबासं, बीकानेर द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि संस्थान के प्रक्षेत्र के आंवला जनन द्रव्य एवं आंवला आधारित खेती प्रणाली के कुल 47 वृक्षों के फलों की खुली नीलामी संस्थान के फार्म कार्यालय में दिनांक 02.11.2017 को **पूर्वान्ह में 11.00 बजे** आयोजित की जावेगी। खुली नीलामी में शामिल होने हेतु इच्छुक व्यक्ति **रु.1000/- (रुपये एक हजार मात्र)** की बयाना राशि जमा करवाकर बोली लगा सकते है। इस संबंध में विस्तृत नियम एवं शर्ते संस्थान के प्रशासनिक कार्यालय एवं फार्म कार्यालय [10वें कि.मी. का पत्थर, श्री गंगानगर हाईवे, बीछवाल, बीकानेर] के सूचना पट्ट तथा संस्थान की वैब साईट www.ciah.ernet.in एवं CPP-NIC Portal पर उपलब्ध है। नीलामी में शामिल होने के इच्छुक व्यक्ति आंवला वृक्षों एवं नीलामी के विस्तृत नियमों व शर्तों का अवलोकन अपनी बोली लगाने से पूर्व अवश्य कर लेवें।

प्राप्त अधिकतम बोली स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार संस्थान के निदेशक महोदय के पास पूर्ण सुरक्षित रहेगा।

सहायक प्रशासनिक अधिकारी

भा.कृ.अनु.प. - केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान

I.C.A.R. - CENTRAL INSTITUTE FOR ARID HORTICULTURE

Beechwal, Bikaner (Rajasthan) - 334006

बीछ्वाल, बीकानेर (राजस्थान) - ३३४००६

पत्रावली क्रमांक:07(ii)08/CS/FPA/16/ दिनांक: 24.10.2017

संस्थान के प्रक्षेत्र के आंवला जनन द्रव्य एवं आंवला आधारित खेती प्रणाली के कुल 47 फल वृक्षों के फलों की खुली नीलामी (दिनांक: 02.11.2017 को पूर्वान्ह 11.00 बजे) के विस्तृत नियम व शर्तें:-

1. संस्थान के प्रक्षेत्र के आंवला जनन द्रव्य एवं आंवला आधारित खेती प्रणाली के कुल 47 फल वृक्षों के फलों की नीलामी की जानी है।

2. आंवला वृक्ष, जिनके फलों की नीलामी की जानी है, को प्रक्षेत्र के बगीचे में चिन्हित किया गया है। इस बाबत किसी प्रकार के स्पष्टीकरण हेतु संस्थान के प्रभारी फार्म से सम्पर्क किया जा सकता है।

3. नीलामी में भाग लेने के लिये प्रत्येक इच्छुक व्यक्ति को बयाना राशि के रुप में **रु.1000/- (रुपये एक हजार मात्र)** जमा कराने होगें।

4. जिस व्यकित के नाम से बोली स्वीकृत होगी, उसे स्वीकृत बोली की कुल राशि का एक तिहाई (33 प्रतिशत) मौके पर ही जमा कराना होगा। शेष दो तिहाई राशि संस्थान के बोली स्वीकार्य बाबत पत्र प्राप्त होने के तीन दिन के अंदर जमा करानी होगी। तत्पश्चात सफल बोलीदाता से तुडाई कार्य प्रारंभ करने का अनुबंध (नोन जूडिशियल स्टाम्प पेपर) एवं सक्षम अधिकारी द्वारा स्वीकार करने पर कार्यादेश जारी किया जावेगा एवं ठेकेदार द्वारा तुडाई शुरु की जावेगी।

5. सफल बोलीदाता द्वारा निर्धारित अवधि में बोली की सम्पूर्ण राशि जमा न कर पाने की अवस्था में उसके द्वारा जमा करायी गयी बयाना राशि एवं बोली की एक तिहाई राशि संस्थान द्वारा जब्त कर ली जावेगी। साथ ही उसके पक्ष में स्वीकृत बोली को रद्द कर दिया जायेगा। इस स्थिति में दूसरी अधिकतम बोलीदाता की बोली स्वीकार करने या फलों के विक्रय हेतु पुन: नीलामी आयोजित करने का अधिकार संस्थान के पास सुरक्षित रहेगा।

6. सफल बोलीदाता (ठेकेदार) को यह सुनिश्चित करना होगा कि फलों की तुडाई के दौरान आंवला वृक्षों और संस्थान के अन्य बगीचें/वृक्षों एवं अन्य सम्पत्ति को किसी प्रकार की हानि न पहुचें। आंवला बगीचें या उसके आस-पास आग जलाना प्रतिबंधित होगा। यदि किसी प्रकार का नुकसान होता है, तो इसकी भरपाई ठेकेदार को करनी होगी।

7. संस्थान से अनुबंध के पश्चात आंवला फलों के तुडाई का कार्यादेश जारी होने के **दो माह** में पूर्ण कर लेना होगा। तत्पश्चात ठेकेदार का कोई हक आंवला फलों पर नही रहेगा। इस अवधि में आंवला फलों की सुरक्षा का उत्तरदायित्व ठेकेदार का ही होगा।

8. बोली की राशि पर लगने वाले सभी प्रकार के स्थानीय करों इत्यादि के भुगतान की पूर्ण जिम्मेदारी सफल बोलीदाता (ठेकेदार) की ही होगी एवं संस्थान किसी प्रकार से उत्तरदायी नही होगा।

पृष्ठ संख्या 2 पर जारी...

9. फलों की तुडाई का कार्य प्रत्येक कार्य दिवस पर तकनीकी कर्मचारी (खण्ड) की देख-रेख में प्रात: 8.00 बजे से सायं 5.00 बजे के मध्य ही सम्पन्न करना होगा। रविवार एवं अन्य राजकीय अवकाश में फलों की तुडाई नही होगी। प्रत्येक पौधे से प्राप्त फलों का वजन लेने के पश्चात ही ठेकेदार को फल दिये जायेगें। संस्थान में कार्यरत बन्दी श्रमिकों को फलों के तुडाई के लिये नही लगाना होगा। अन्यथा ठेका तुरन्त प्रभाव से निरस्त कर दिया जावेगा एवं बयाना राशि जब्त कर ली जावेगी। तोडे गये फलों को संस्थान के बाहर ले जाने के लिये अनुमति पत्र (गेट पास) लेना अनिवार्य है।

10. जहॉ भी आवश्यक हो वहॉ संस्थान के अनुसंधान कार्यो के लिये आंवला प्रखण्ड में से प्रत्येक किस्म के 500 ग्राम आंवला फल ठेकेदार द्वारा संस्थान को निशुल्क उपलब्ध कराने होंगे।

11. फलों की तुडाई, भण्डारण रख-रखाव, परिवहन एवं अन्य किसी भी संबंधित कार्य हेतु संस्थान द्वारा किसी प्रकार की सुविधा उपलब्ध नही करायी जावेगी।

12. किसी भी प्राकृतिक आपदा (पाला, वर्षा, आंधी-तुफान, पशुओं एवं पक्षीयों से नुकसान इत्यादि) एवं अन्य किसी भी कारण से फलों को होने वाले नुकसान की जिम्मेदारी ठेकेदार की होगी, संस्थान उत्तरदायी नही होगा।

13. तुडाई अनुबंध के कार्य सम्पादन हेतु लगाए जानेवाले श्रमिकों को मजदुरी के भुगतान एवं उनके प्रति सभी प्रकार के उत्तरदायित्वों के निर्वहन की पूर्ण जिम्मेदारी सफल बोलीदाता की होगी एवं संस्थान किसी प्रकार से उत्तर दायी नही होगा।

14. सफल बोलीदाता की बयाना राशि (Earnest Money) का पुर्नभुगतान (Refund) तुडाई का कार्य पुर्ण होने के पश्चात एवं प्रभारी फार्म द्वारा अनापत्ति प्रमाण-पत्र (No Dues Certificate) जारी करने पर ही किया जायेगा। इस हेतु ठेकेदार को संस्थान द्वारा जारी मूल रसीद (TR-5) को आवेदन के साथ प्रस्तुत करनी होगी।

15. अधिकतम बोलीदाता के हक में बोली छोडने या न छोडने का अधिकार संस्थान के सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित रहेगा एवं उनका निर्णय ही अंतिम होगा।

(कुलदीप पान्डे)
सहायक प्रशासनिक अधिकारी